Total Pages : 8

1602

I Year Arts Examination, 2016

RAJASTHANI SAHITYA

Paper–II

(आधुनिक राजस्थानी काव्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई-I

(क) जननायक प्रताप काव्य किस छंद में लिखा गया है?

(ख) वरस चारसौ पाछ हूँ, पैदल किया विहार।

अर चायो श्याँ पकड़े लूँ चेटक रा असवार।।

उपर्युक्त दोहे में किसकी वंदना की गई है?

इकाई-II

(ग) दो दो जुग तक हूँझियो, घाव सहै इम कूण।

मातृ भूमि हित ने पतो, खूट्याँ खुट्यो न खून।।

(उपर्युक्त दोहे में निहित दो अलंकार बताइये)

(घ) 'कळायण' का शाब्दिक अर्थ बतो हुए उसके रचनाकार का नाम लिखें।

इकाई-III

(ङ) कळायण काव्य में कवि ने मूलतः किस ऋतु का वर्णन किया है?

(च) 'राजस्थान रा कवि' में संकलित चंद्रसिंघ की कविताओं का नामोल्लेख कीजिये।

इकाई-IV

(छ) अम्बर रो हिरदो सरसायो

अेक बीज बण सोरम रूप

संसारी माया रा लोभी

नर तूं सुण यो सार अनूप

उपर्युक्त पंक्तियों का मूल भाव स्पष्ट कीजिये।

(ज) रात करै रखवाळी, काहै परभात रे

चंदा कै खेत खड़ी तारां की साख रे

उपर्युक्त पंक्तियों के रचनाकार का नाम लिखिये।

इकाई-V

(झ) कन्हैयालाल सेठिया के किन्हीं तीन काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।

(ञ) प्रसिद्ध राजस्थानी कवि मेघराज किस उपनाम से जाने जाते हैं?

खण्ड-ब

इकाई-I

2. '' 'जननायक प्रताप' वीर रस से परिपूर्ण काव्य है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

3. 'जननायक प्रताप' काव्य में पुरुषार्थ और आजादी शीर्षक में आये दोहों का सार अपने शब्दों में लिखिये।

इकाई-II

4. गणेसीलाल व्यास 'उस्ताद' की कविता 'घरे आजा' के काव्य सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिये।

5. 'बीज' कविता में निहित आध्यात्मिकता को उजागर कीजिये।

इकाई-III

6. ''कळायण काव्य में राजस्थानी ग्राम्य जीवन का सजीव चित्रण हुआ है।'' उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये।

7. ''कळायण काव्य एक मनोरम प्रकृति-काव्य है।'' इस कथन की विवेचना कीजिये।

इकाई-IV

8. सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

पिउ तन गढ़ नूँ वेद पण, काम न मम मट्टीह।

इण तन खाल उतार कर, पिड घावां पट्टीह।।

सुणियो पिउ बिण सिर लड़ै, जा आऊँ झट झॉक।

दोय घड़ी रे वासते, पंछी देदे पांख।।

9. बादळ बानर सेन, कळायण-राम रिसायी

छांट-तीर छिटकाय फांक मिल फेर दुहायी

मुरधर-लंक निसंक कीनी, सुख-जळ दीन्हो आज है।

सुर-समान किसान खुसी-सैं, बभीखण-बरखा राज है।।

इकाई-V

10. हिरदै में चाव घणो छायो

पींदै जाकर मोती ल्यायो

पण भेद बूंद रो ना पायो

सारो सागर तूं लियो थाग

तूं जाग जाग ओ मिनख जाग

11. मुरधर कितनो बणियो सोणो।

जिणरो कितनो रूप सलोणो।।

धरणी सुख-देवाळ धिराणी।

दूधां जिसड़ो मीठो पाणी।।

डर अजाण वीरां रो डेरो।

अन-धन देती भोम धणेरो।।

खण्ड-स

इकाई-I

12. "भाषायी दृष्टि से 'जननायक प्रताप' राजस्थानी भाषा की एक उत्कृष्ट कृति है।" इस कथन की समीक्षा कीजिये।

इकाई-II

13. 'जननायक प्रताप' काव्य के भाव पक्ष के वैशिष्ट्य को सोदाहरण उद्घाटित कीजिये।

इकाई-III

14. ''रघुनाथसिंह हाड़ा को राजस्थानी कविता की नयी धारा का कवि माना जाता है।'' उनकी संकलित कविताओं के आधार स्पष्ट कीजिये।

इकाई-IV

15. ''कळायण काव्य में कळायण की जीवन-कथा है और साथ ही साथ राजस्थान ग्रामीण जीवन की कथा भी।'' उपर्युक्त कथन के आधार पर कळायण की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

इकाई-V

16. आधुनिक राजस्थानी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर एक लेख लिखिये।